>

Title: Need to protect the crops from the menace of Neelgai in Poorvanchal, Uttar Pradesh.

श्री गोरखनाथ पाण्डेय : मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल और विशेष रूप से देश के कई भागों में जहां किसानों की गाढ़ी मेहनत से जब फसलें तैयार होती हैं, तो खडरोज जंगली जानवर, जिन्हें नील गाय कहा जाता है, उनके द्वारा फसलों को बर्बाद कर दिया जाता है। आज स्थिति यह है कि किसान कर्ज ले कर फसल तैयार करता है और फसल उगते ही और तैयार होते समय तक खडरोज फसल को नष्ट कर देते हैं। किसानों की गाढ़ी मेहनत की कमाई नष्ट हो रही है और वे कर्ज में डूब रहे हैं। आज किसान इन खडरोजों के कारण गांव से शहरों की तरफ पलायित हो रहा है। मैं गंगा नदी के किनारे के गांवों से आता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र भदोही है। भदोही से लगे हुए जिले मिर्जापुर, जोनपुर, वाराणसी और बलिया तक, जो गंगा नदी का किनारा है, ऐसे स्थलों पर खडरोजों के झुंड के झुंड सैकड़ों की संख्या में आते हैं।

सभापति महोदय : पाण्डेय जी, नील गाय के साथ गाय शब्द जुड़ा हुआ है, ऐसा कैसे कर सकते हैं।

श्री गोरखनाथ पाण्डेय : महोदय, यही कठिनाई है कि वे गाय हैं ही नहीं। नील गाय के खुर आगे से फटे होते हैं और इनके पांव सामने से बंधे होते हैं। नील गाय साल में एक बच्चा देती है और ये साल में दो या दो से अधिक बच्चे देते हैं और इनकी चाल-चलन और रहन-सहन गायों से एकदम भिन्न है। तकलीफ इसी बात की है कि इन्हें नील गाय शब्द दिया गया है, जबकि ये जंगली जानवर हैं और इन्हें खडरोज कहा जाता है। इनकी वजह से आज किसान दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। कई ऐसी फसलें जो हमारे क्षेत्र में होती हैं, लोगों ने उन फसलों को उगाना बंद कर दिया है और अगर पैदावार कर भी रहे हैं, तो जब फसलें तैयार होती हैं, तो इनके द्वारा बर्बाद कर दी जाती हैं।

मैं आपके द्वारा सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। मैं पहले भी इस बात को एक-दो बार सदन में उठा चुका हूं। चूंकि यह हमारे क्षेत्र ही नहीं, प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के किसानों की सबसे बड़ी समस्या है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि ऐसे खडरोजों को अभियान चलाकर पकड़ा जाए और जंगलों में या सदूर स्थानों पर छोड़ने की व्यवस्था की जाए, ताकि किसान भूखमरी की स्थिति से बच सके और खेती कर सके।